राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

वर्ष 07 | अंक 29 | मुंबई : बुधवार 27 मई 2026 से 02 जून 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

माननीय नितिन गडकरी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

ईश्वर आपको उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं निरंतर जनसेवा की शक्ति प्रदान करें।

फैसल शेख - संपादक, रोकठोक लेखनी समाचार पत्र अध्यक्ष, सबरी ह्यूमन वेलफेयर फाउंडेशन NGO

बॉर्डर वाले इलाके में बढ़ रही खास समुदाय की आबादी!

घुसपैठ पर एक्शन में आई मोदी सरकार, बनाई हाई लेवल कमेटी...

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठ और अन्य वजहों से अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन के देश के वर्तमान और भविष्य के लिए बड़ी चुनौती बताया है। घुसपैठ को लेकर केंद्र सरकार ने एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि घुसपैठ और अन्य वजहों से अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन किसी भी राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है।

अमित शाह ने कहा कि इसी चुनौती से निपटने के लिए 15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'High-Level Committee on Demographic Change' की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि मुझे बताते हुए हर्ष हो रहा है कि सरकार ने इस कमिटी का गठन कर लिया है।

सरकार ने क्यों लिया एक्शन...?

पिछले कुछ सालों में देश के कई राज्यों से इस तरह की खबरें आई हैं, जहां पर कुछ खास सीमावर्ती इलाकों और अंदरूनी जिलों में अचानक एक विशेष समुदाय की आबादी में अप्रत्याशित रूप से बढ़ोतरी हुई है। यह कोई प्राकृतिक जनसंख्या वृद्धि नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति के तहत कराई गई अवैध घुसपैठ का ही नतीजा है। इस तरह के बदलाव देख केंद्र सरकार की नींद उड़ी हुई है।

मुंबई : महिला की पर्स छीनने वाला आरोपी गिरफ्तार

नवी मुंबई : तलोजा क्षेत्र में मॉर्निंग वॉक पर निकली एक महिला की पर्स छीनकर फरार हुए आरोपी को तलोजा पुलिस ने गिरफ्तार कर मामले का सफल खुलासा किया है। दिनांक 17 अप्रैल 2026 को शिकायतकर्ता शशिकला सुनीलकांत मिश्रा (49) मॉर्निंग वॉक कर रही थीं। इसी दौरान पीछे से दोपहिया वाहन पर आए तीन अज्ञात व्यक्तियों में से बीच में बैठे आरोपी ने उनकी पर्स जबरन छीन ली और फरार हो गया। इस संबंध में तलोजा पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 161/2026, भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4), 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया।

मुंबई में 50 करोड़ की अवैध ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़!

एक महिला समेत 3 गिरफ्तार, देसी कट्टा भी बरामद

मुंबई : मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने आग्रीपाड़ा इलाके में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अवैध एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है. इस मामले में पुलिस ने दो पुरुष और एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में एमडी ड्रग्स, ड्रग्स बनाने में इस्तेमाल होने वाले केमिकल, एक देसी कट्टा, 19 जिंदा कारतूस और अन्य सामग्री बरामद की गई है. जब्त किए गए ड्रग्स और अन्य सामान की कुल कीमत 50 करोड़ 53 लाख 48 हजार 100 रुपये बताई जा रही है.

एंटी नारकोटिक्स सेल के डीसीपी नवनाथ ढवले ने अइढ न्यूज को बताया कि 25 मई 2026 को एंटी नारकोटिक्स सेल की कांदिवली यूनिट को गुप्त सूचना मिली थी कि मोहम्मद शोएब शौकत अली मनसूरी और सुफियान सलीम मनसूरी नाम के दो युवक मुंबई में एमडी ड्रग्स तैयार कर उसकी सप्लाई कर रहे हैं. सूचना में बताया गया था कि आरोपियों ने आग्रीपाड़ा पुलिस स्टेशन के पीछे स्थित यासमीन टॉवर के फ्लैट नंबर 1004 में ड्रग्स और उससे जुड़ा सामान छिपाकर रखा है. ढवले ने आगे बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने यासमीन टॉवर में छापा मारा. कार्रवाई के दौरान मौके से मोहम्मद शोएब शौकतअली मनसूरी (33) और सुफियान सलीम मनसूरी (29) को हिरासत में लिया गया.

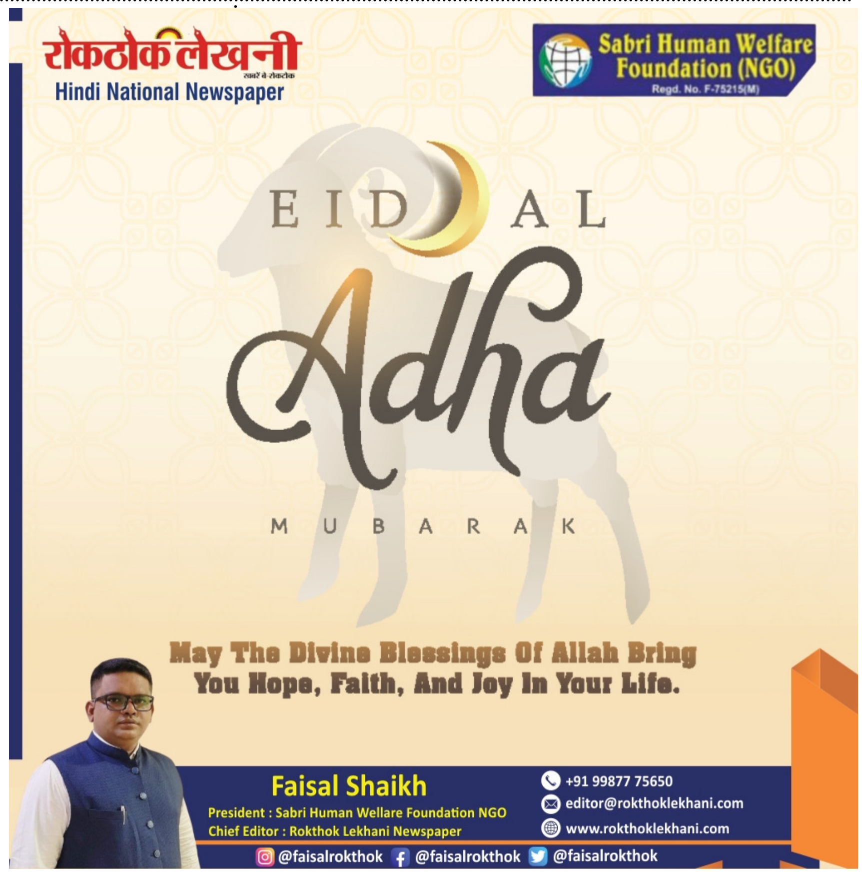

'मेड इन चाइना' हथियारों के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार, क्राइम ब्रांच ने किए बड़े खुलासे...

मुंबई : मुंबई पुलिस की एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने कुछ दिन पहले 'Made in China' अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों के मामले में जांच के दौरान कई अहम खुलासे किए हैं. जांच में सामने आया है कि आरोपी बाहरी राज्यों से मुंबई हथियार सप्लाई करने आए थे और पिछले करीब 10 दिनों से पनवेल इलाके में ठहरे हुए थे.

मुंबई के खरीदारों के लिए नजदीकी शहर में लाए गए विदेशी हथियार

क्राइम ब्रांच सूत्रों के मुताबिक, हथियारों की डील वाली रात तीनों

आरोपी पनवेल से टैक्सी के जरिए मुंबई पहुंचे थे.

शक से बचने के लिए आरोपी तय लोकेशन से करीब आधा किलोमीटर पहले ही टैक्सी से उतर गए थे और वहां से पैदल डील पॉइंट तक पहुंचे. जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि बरामद 'Made in China' विदेशी हथियार मुंबई के नजदीकी एक शहर से लाए गए थे और इन्हें मुंबई में खरीदारों तक पहुंचाया जाना था. पुलिस का कहना है कि आरोपी बेहद शातिर और पेशेवर अपराधी हैं, जो पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे हैं.

ठाणे कोर्ट का बड़ा फैसला... सबूतों के अभाव में राज ठाकरे समेत 6 आरोपी दोषमुक्त

ठाणे : जिले की एक अदालत ने वर्ष 2008 में रेलवे भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थियों पर हमले से जुड़े मामले में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे समेत अन्य आरोपियों को बरी कर दिया है। अदालत ने 21 मई को पारित आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में नाकाम रहा कि ठाकरे घटनास्थल पर मौजूद थे या उन्होंने हमले के लिए उकसाया था। कोर्ट ने कहा कि मनसे प्रमुख के कथित भाषण वाली सीडी न तो अदालत में पेश की गई और न ही उसे सही साबित किया गया।

पुलिस थाने में धूल खाती रही सीडी

अदालत ने कहा कि जांच अधिकारी ने स्वीकार किया है कि यह सीडी 2013 से 2026 तक पुलिस थाने में धूल फांकती रही, जिससे उसका कोई साक्ष्यात्मक महत्व नहीं रह गया। रविवार को उपलब्ध कराई गई आदेश की प्रति के मुताबिक, अदालत ने यह भी कहा कि जिरह के दौरान यह स्वीकार किया गया

कि गवाहों को लगी चोटें भारी भीड़ में अफरा-तफरी से मची भगदड़ के कारण भी हो सकती थीं। ठाणे के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अभिजीत वी कुलकर्णी ने 14 साल पुराने मामले में राज ठाकरे (57) और पांच अन्य आरोपियों-आकाश राजेंद्र काले, संतोष निवृत्ति ठाकरे, विशाल सुरेश कांबले, कैलाश प्रकाश चौबे और गणेश प्रकाश चौबे को बरी कर दिया।

रेलवे परीक्षा अभ्यर्थियों पर हमला

अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में पूरी तरह से विफल रहा। यह मामला 17-18 अक्टूबर 2008 की दरमियान रात की एक घटना से संबंधित है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, शिकायतकर्ता-मध्य प्रदेश निवासी हरिनारायण श्रीचक्कीलाल अहिरवार माल रक्षक के पद के लिए रेलवे भर्ती बोर्ड की ओर से आयोजित लिखित परीक्षा में शामिल होने के लिए ठाणे के कल्याण रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। जब उत्तर प्रदेश और बिहार सहित अन्य राज्यों से आए अभ्यर्थी स्टेशन के बुकिंग हॉल में आराम कर रहे थे, तभी लाठियों से लैस आठ से दस लोग कथित तौर पर अंदर घुस आए। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हमलावरों ने 'मनसे जिंदाबाद' के नारे लगाते हुए अभ्यर्थियों से उनके गृह राज्य के बारे में पूछा और उनकी पिटाई करते हुए लौटने के लिए कहा।

कल्याण : पुलिस में शिकायत की सलाह देना पड़ा भारी...

युवक पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या !

कल्याण : टिटवाला के पास म्हारल इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ की शिकायत पुलिस में दर्ज कराने की सलाह देने वाले 30 वर्षीय युवक की धारदार हथियार से हमला कर निर्मम हत्या कर दी गई। इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के म्हारल अनुसार, गांव के मालखन कंपाउंड निवासी रविंद्र अहिरे पर शुक्रवार रात आरोपियों ने हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि इलाके के रहने वाले मुख्य आरोपी दीपक डागे ने रविंद्र अहिरे की मुंहबोली बहन की नाबालिग बेटी के साथ छेड़छाड़ की थी। पीड़ित लड़की ने इसकी जानकारी अपनी मां को दी थी। इसके बाद लड़की की मां ने रविंद्र अहिरे को पूरी घटना बताई थी।

स्थानीय लोगों में डर और नाराजगी व्याप्त

रविंद्र ने महिला को टिटवाला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी थी। इसी बात से आरोपी दीपक डागे नाराज हो गया और उसने अपने साथियों विजय भिडे और परशुराम भिडे के साथ मिलकर रविंद्र की हत्या की साजिश रची। शुक्रवार रात तीनों आरोपी रविंद्र के पास पहुंचे और उस पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिए।

मौके पर हुई थी मौत

गंभीर रूप से घायल रविंद्र अहिरे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही टिटवाला पुलिस मौके पर पहुंची और तेजी से कार्रवाई करते हुए महज एक घंटे के भीतर मुख्य आरोपी दीपक डागे समेत विजय भिडे और परशुराम भिडे को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाबालिग से छेड़छाड़ का विरोध करने और पुलिस में शिकायत की सलाह देने पर एक युवक को अपनी जान गंवानी पड़ी, जिससे लोगों में डर और नाराजगी दोनों है।

तेज रफ्तार कार ने दो पुलिसवालों को मारी टक्कर, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई : मरीन ड्राइव इलाके में रविवार रात एक तेज रफ्तार मर्सिडीज कार ने नाकाबंदी के दौरान ड्यूटी कर रहे दो पुलिसकर्मियों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया था, जिसे बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। घटना मरीन ड्राइव इलाके की है, जहां रविवार रात पुलिस की ओर से नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान एक मर्सिडीज कार तेज रफ्तार में वहां पहुंची। ड्यूटी पर मौजूद पुलिस कांस्टेबल कृष्णकांत मिश्रा और राठौड़ ने चालक को गाड़ी रोकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय कार सीधे पुलिसकर्मियों की तरफ दौड़ा दी। कार की टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के तुरंत बाद वहां अफरा-

तफरी मच गई। घायल पुलिसकर्मियों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। दोनों का इलाज मुंबई के बॉम्बे हॉस्पिटल में चल रहा है, जहां उन्हें क्व में भर्ती किया गया है।

शराब के नशे में ड्राइविंग का शक...

डॉक्टर उनकी हालत पर लगातार नजर बनाए हुए हैं, पुलिस जांच में सामने आया कि कार चला रहा युवक 29 वर्षीय निहाल सोलंकी था। वह मूल रूप से नाशिक के पंचवटी इलाके का रहने वाला है और घटना के समय मरीन ड्राइव से तेज रफ्तार में गुजर रहा था। हादसे के बाद निहाल मौके से फरार हो गया था। मरीन ड्राइव पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आरोपी की तलाश में टीम लगाई गई, सोमवार सुबह पुलिस ने निहाल सोलंकी को नालासोपारा से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उससे लगातार पूछताछ कर रही है। प्राथमिक जांच में पुलिस को शक है कि हादसे के समय आरोपी शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था। इसे देखते हुए पुलिस ने उसके ब्लड सैंपल भी जांच के लिए भेजे हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फेस पंचिंग अटेंडेंस से कतरा रहे डॉक्टर

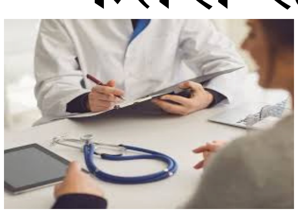

मुंबई : मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सभी हॉस्पिटल में डॉक्टरों की अटेंडेंस बायोमेट्रिक तरीके से दर्ज की जाती है। जनवरी 2026 से जोगेश्वरी के हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे ट्रॉमा केयर हॉस्पिटल के डॉक्टरों को बायोमेट्रिक अटेंडेंस दर्ज करने के लिए मेडिकल सुपरिटेंडेंट ने तीन बार सर्कुलर जारी किया है। लेकिन, प्राइवेट हॉस्पिटल में मरीजों की सेवा करने वाले ये डॉक्टर अटेंडेंस सर्कुलर का उल्लंघन कर रहे हैं। नतीजतन, अटेंडेंस शीट पर अटेंडेंस दर्ज होने के बावजूद, हॉस्पिटल में डॉक्टर न होने के कारण मरीजों को इलाज के लिए दूसरे हॉस्पिटल भेजा जा रहा है। इस वजह से जोगेश्वरी, बोरीवली, मालाड में मरीज अच्छी हेल्थ केयर से वंचित हो रहे हैं। मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सभी हॉस्पिटल में डॉक्टरों के लिए ड्यूटी जॉइन करते समय और ड्यूटी खत्म होने के बाद फेस पंचिंग के जरिए अटेंडेंस दर्ज करना जरूरी कर दिया गया है। इसी के अनुसार, जोगेश्वरी के ट्रॉमा केयर हॉस्पिटल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट ने जनवरी 2026 से डॉक्टरों की अटेंडेंस के बारे में तीन बार सर्कुलर जारी किया है।

मानसून से पहले बीएमसी का बड़ा फैसला, 191 करोड़ रुपये में आधुनिक ड्रेनेज मशीनें खरीदी जाएंगी

मुंबई : मुंबई शहर और उपनगरों की वर्षा जल निकासी प्रणाली (ड्रेनेज सिस्टम) की हाइटेक सफाई तथा जलभराव की स्थिति में तेजी से पानी निकालने के लिए बीएमसी ने 180 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से अत्याधुनिक 'सक्शन जेटिंग संयुक्त मशीनें खरीदने का बड़ा फैसला लिया है। गाद निकालने, कचरे का मौके पर ही पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) करने और बाढ़ जैसी परिस्थितियों में शक्तिशाली पंप की तरह पानी निकालने में सक्षम ऐसी 20 आधुनिक मशीनें जल्द ही बीएमसी के बेड़े में शामिल होंगी।

इस संबंध में प्रस्ताव अंतिम मंजूरी के लिए स्थायी समिति के समक्ष रखा गया है। पिछले कुछ वर्षों में मुंबई

में मानसून के दौरान एक ही दिन में 200 से 300 मिमी या उससे अधिक वर्षा कई बार दर्ज की गई है। ऐसी भारी बारिश के कारण उन क्षेत्रों में भी गंभीर जलभराव हुआ, जहां पहले कभी पानी नहीं भरता था।

आपातकालीन परिस्थितियों में जमा पानी निकालने के लिए बीएमसी को ट्रॉली पर लगे जूस पंप और बड़े वाहनों की व्यवस्था करनी पड़ती है, जिससे काफी समय लगता है। सर्वोच्च न्यायालय के 8 वर्ष पुराने वाहनों को हटाने संबंधी नियमों के कारण बीएमसी की कई पुरानी मशीनों का उपयोगकाल भी समाप्त होने वाला है।

191 करोड़ की लागत से तैयार होगी ये परियोजना

ई-निविदा प्रक्रिया में मे मेट्रो वेस्ट हैंडलिंग प्रा लि व मे टीपीएस इन्फ्रास्ट्रक्चर लि। ने तकनीकी पात्रता हासिल की थी। इनमें मे। मेट्रो वेस्ट हैंडलिंग ने जीएसटी छोड़कर 178 करोड़ 53 लाख 98 हजार 130 रुपये की सबसे कम बोली लगाई। 18 प्रतिशत जीएसटी अगले 5 वर्षों के संचालन एवं समग्र रखरखाव खर्च सहित इस परियोजना की कुल लागत लगभग 191 करोड़ होगी। कुल 20 आधुनिक मशीने मिलेंगी। इनमें 28 टन क्षमता वाले वाहनों पर स्थापित 11,000 लीटर क्षमता की 7 मशीने, 18.5 टन वाहनों पर 8,000 लीटर क्षमता की 7 मशीने तथा 9 टन के छोटे वाहनों पर स्थापित 3,000 लीटर क्षमता की 6 मशीने शामिल है।

महिला पुलिस कॉन्स्टेबल के साथ ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग फ्रॉड

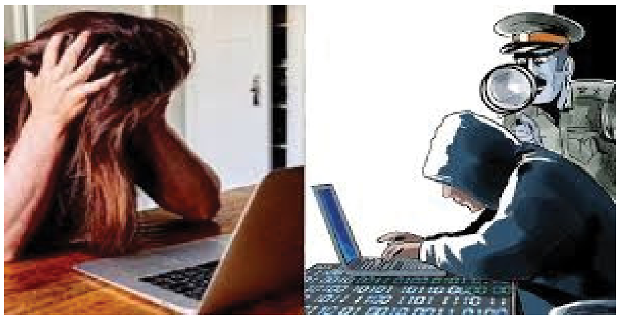

मुंबई : एक महिला पुलिस कॉन्स्टेबल को ऑनलाइन निवेश फ्रॉड में ठगा गया। एक अज्ञात साइबर ठग ने शेयर ट्रेडिंग में कुछ ही घंटों में ज्यादा मुनाफे का लालच देकर महिला से ठगी की। पीड़िता की शिकायत पर भायखला पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट की संबंधित धाराओं में त्र्क्फ दर्ज की है। आगे की जांच जारी है। ज्यादा रिटर्न के लालच में फंसकर पुलिस कॉन्स्टेबल को भारी नुकसान उठाना पड़ा। पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता कल्याण के शहाड़ इलाके में रहती है और महात्मा फुले चौक पुलिस स्टेशन में पुलिस कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात है। 21 मई को वह अपने बेटे के साथ भायखला के जीजामाता उद्यान गई थीं। वहां फेसबुक पर वीडियो देखते समय उन्हें ''Trde with Prtik Shfi'' नाम के ग्रुप की जानकारी मिली।

लिंक खोलने पर उन्हें ग्रुप में जोड़ा गया, जहां एक व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया और पूछा कि वह कितना निवेश करना चाहती हैं।

महिला ने पूछा कि 10,000 रुपए लगाने पर कितना मुनाफा मिलेगा। आरोपी ने बताया कि 10,000 के निवेश पर 60,000 और 5,000 पर 30,000 का मुनाफा होगा। उसकी बातों पर भरोसा कर महिला ने आरोपी द्वारा भेजे दफ कोड पर 5,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। दो घंटे बाद आरोपी ने बताया कि उनके 5,000 के निवेश पर 45,000 का मुनाफा हुआ है।

मालाड पूर्व में पश्चिम रेलवे ने अतिक्रमण को हटाया...

मुंबई : मालाड पूर्व में 36 पक्के और 24 कच्चे, कुल 60 अनाधिकृत झोपड़पट्टियों को हटाने की कार्रवाई पश्चिम रेलवे द्वारा की गई। यह कार्रवाई वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, मुंबई सेंट्रल और सहायक सुरक्षा आयुक्त प्रथम, मुंबई सेंट्रल के मार्गदर्शन में की गई। कारवाई के दौरान वहां मौजूद अवैध झोपड़ों को हटाया गया। रेलवे के मुताबिक 82 मजदूर, 04 ट्रक और 02 जेसीबी की मदद से मालाड पूर्व साइड की कुल 60 अनाधिकृत झोपड़पट्टियों को हटाया । पुलिस इस कारवाई के दौरान निरीक्षक /मालाड, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जीआरपी, वरिष्ठ निरीक्षक डिंडोशी, वरिष्ठ खंड अभियंता (भूमि) सांताक्रूज, वरिष्ठ खंड अभियंता (वर्क्स) बोरीवली, वरिष्ठ खंड अभियंता (रेलपथ) की उपस्थिति में इंजीनियरिंग विभाग द्वारा यह कार्रवाई पूरी की गई। तोड़क कारवाई के दौरान कोई भी घरेलू सामान या व्यक्तिगत सामान जब्त नहीं किया गया।

भायंदर पश्चिम रेलवे स्टेशन के स्तनपान कक्ष में असामाजिक तत्वों का कब्जा

भायंदर : भायंदर पश्चिम रेलवे टिकट खिड़की के पास महाराष्ट्र सरकार द्वारा महिलाओं एवं बच्चों की सुविधा के लिए बनाए गए स्तनपान कक्ष की स्थिति इन दिनों बेहद खराब हो चुकी है। देखरेख के अभाव में यह स्तनपान कक्ष अब असामाजिक तत्वों और नशा करने वालों का विश्राम स्थल बन गया है। इस जगह पर यह असामाजिक तत्व यहां रखे बिस्तर पर बेखौफ होकर सोते हैं। इस स्तनपान कक्ष का मुख्य दरवाजा पूरी तरह टूट चुका है। दरवाजा टूटने के कारण यहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे महिलाओं को इस सुविधा का उपयोग करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जिस उद्देश्य से यह सुविधा शुरू की गई थी, वह उद्देश्य पूरी तरह विफल होता नजर आ रहा है। कुछ महीनों पहले इस विषय को लेकर ''हमारा महानगर'' समाचार पत्र में खबर प्रकाशित की गई थी। समाचार प्रकाशित होने के बाद संबंधित विभाग द्वारा दरवाजे की मरम्मत कराई गई थी, लेकिन थोड़े ही समय में स्थिति फिर पहले जैसी हो गई। वर्तमान में स्तनपान कक्ष दोबारा बदहाली का शिकार हो चुका है। महिलाओं के लिए बनाई गई इस महत्वपूर्ण सुविधा की दुर्दशा को लेकर नागरिकों में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि किसी महिला को यहां स्तनपान कक्ष की आवश्यकता पड़े, तो उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है। इस स्तनपान कक्ष की हालत देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि संबंधित विभाग का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि स्तनपान कक्ष की तत्काल मरम्मत कर उसे सुरक्षित बनाया जाए, ताकि महिलाएं और छोटे बच्चों के साथ आने वाली माताएं इस सुविधा का उचित लाभ उठा सकें।

राज्य में डेंगू और बर्ड फ्लू पर सख्ती... सरकार ने बनाई संयुक्त रोग नियंत्रण समिति

मुंबई : डेंगू, बर्ड फ्लू और अन्य संक्रामक व पशु जन्य बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने जिला स्तर पर निगरानी व्यवस्था मजबूत करने का फैसला किया है। राज्य सरकार ने संक्रामक रोग प्रतिबंध व नियंत्रण समिति और पशुजन्य रोग समिति का एकीकरण कर नई संयुक्त समिति गठित करने का निर्णय लिया है। कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित यह समिति महामारी, जलजनित, कीटजनित व पशुओं से फैलने वाली बीमारियों की निगरानी, रोकथाम और नियंत्रण के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करेगी। सरकार का मानना है कि एकीकृत व्यवस्था से त्वरित कार्रवाई और रोग नियंत्रण अधिक प्रभावी होगा।

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा प्रशासनिक फैसला

उल्लेखनीय है कि राज्य में डेंगू, बर्ड फ्लू, स्वाइन फ्लू समेत अन्य बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण को अधिक प्रभावी बनाने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। स्वास्थ्य विभाग ने दो जिलास्तरीय समितियों का एकीकरण कर नई जिलास्तरीय संक्रामक व पशुजन्य रोग प्रतिबंध एवं नियंत्रण समिति गठित करने को मंजूरी दी है। 21 मई को जारी शासन निर्णय के अनुसार नई समिति जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कार्य करेगी। मिति में स्वास्थ्य, पशुसंवर्धन, जलापूर्ति, कृषि, वन, प्रदूषण नियंत्रण, आपदा प्रबंधन और खाद्य व औषध प्रशासन विभाग के अधिकारियों को शामिल किया गया है।

नागपुर के हिवरीनगर में भाई बना भाई का कातिल...

लोहे की रॉड से हत्या, आरोपी गिरफ्तार

नागपुरः नागपुर नंदनवन थानांतर्गत हिवरीनगर झोपड़पट्टी में एक व्यक्ति ने अपने ही छोटे भाई को मार डाला। पैसे चोरी करने का आरोप लगाने के बाद यह विवाद हुआ जिसमें बड़े भाई ने छोटे पर लोहे की रॉड से वार कर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद खुद ही पुलिस को हत्या की जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मृतक जयभीम चौक निवासी प्रदीप गोविंदराव बाबुले (37) बताया गया। उसके बड़े भाई भगवान गोविंदराव बाबुले (40) को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों एक ही मकान में अलग-अलग कमरों में रहते थे। प्रदीप अविवाहित था, जबकि भगवान अपने परिवार के साथ रहता है। दोनों मजदूरी करके अपना उदर निर्वाह करते थे। प्रदीप ने मजदूरी से 5,000 रुपये जमा किए थे। यह रकम उसे नहीं मिल रही थी। उसने भगवान से रुपयों के बारे में पूछा। भगवान को लगा कि प्रदीप उस पर चोरी का आरोप लगा रहा है। इस बात पर दोनों का विवाद हो गया। हाथापायी के दौरान गुस्साए भगवान ने घर में रखी लोहे की टॉमी रॉड से प्रदीप पर हमला कर दिया।

सिर पर 3 से 4 बार प्रहार किया और प्रदीप की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद भगवान ने खुद पुलिस कंट्रोल रूम को भाई की हत्या करने की सूचना दी। खबर मिलते ही नंदनवन के थानेदार कैलाश देशमाने अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे, भगवान शव के पास ही रॉड लेकर बैठा हुआ था। उसने विवाद और भाई की हत्या करने की जानकारी दी। तत्याल पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। पंचनामा कर प्रदीप का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने सोमवार की दोपहर भगवान को न्यायालय में पेश किया। अदालत ने उसे 27 मई तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया है। शहर में पारिवारिक विवादों के चलते लगातार हत्या की वारदातें हो रही है।

मुंबई के चर्नी रोड में बनेगा ओपन साइंस पार्क, मुख्यमंत्री फडणवीस ने की घोषणा

मुंबई : मुंबई के चर्नी रोड स्थित महाराष्ट्र राज्य जवाहर बाल भवन के कैंपस में 'ओपन साइंस पार्क' बनाया जाएगा। यह घोषणा सोमवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की। मुख्यमंत्री ने बाल भवन की नवर्निमित इमारत का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, स्कूली शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे, कौशल विकास मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, महापौर रितु तावड़े सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

सर्वांगीण विकास में मिलेगी मदद

इस मौके पर, सर जे जे आर्ट कॉलेज और महाराष्ट्र स्टेट जवाहर बाल भवन के बीच एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग साइन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महापौर रितु तावड़े को मनपा स्कूलों के ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों को इस सेंटर से जोड़ने की पहल करनी चाहिए। इससे छात्रों के सर्वांगीण विकास में मदद मिलेगी।

हर साल 1 लाख छात्रों को ट्रेनिंग

स्कूली शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने बताया कि यह इंस्टीट्यूशन 4 से 16 साल के बच्चों की

इमैजिनेशन और क्रिएटिविटी को स्कोप देने के लिए लगातार काम कर रहा है। नई बिल्डिंग के तल मंजिल पर एक स्टेट-ऑफ-द-आर्ट ऑडिटोरियम और एक वेल-इक्विप्ड लाइब्रेरी बनाई गई है। पहली मंजिल पर डांस हॉल, ड्रामा रूम और संगीत रूम है। दूसरी मंजिल पर छात्रों के प्रदर्शन के लिए एक प्लेटफॉर्म, स्कल्पचर और पेंटिंग हॉल बनाए गए हैं। बिल्डिंग में 100 छात्रों की क्षमता वाले तीन ऑडिटोरियम हैं। एक समय में 500 छात्र अलग-अलग आर्ट की ट्रेनिंग ले सकते हैं। एक साल में लगभग 1 लाख छात्रों ट्रेनिंग और मार्गदर्शन ले पाएंगे। स्कूली शिक्षा विभाग राज्य के हर जिले में एक बाल भवन शुरू करना चाहता है।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

बदलनी होगी उर्वरक उपयोग की रीति-नीति

प्रधानमंत्री मोदी ने बीते दिनों किसानों से आ''ान किया कि वे यूरिया और डीएपी जैसे रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में कम से कम आधे की कटौती करें और अधिक से अधिक प्राकृतिक खेती करें। इस अपील के पर्यावरणीय ही नहीं, अपितु आर्थिक निहितार्थ भी हैं। भारत उर्वरकों पर भारी-भरकम राशि खर्च करता है और उसकी बहुलांश खरीदारी विदेश से होती है। अभी विदेशी उर्वरक की खरीद मुश्किल और बेहद महंगी हो गई है, जिससे संकट कहीं ज्यादा बढ़ गया है। इसलिए उर्वरकों के उपभोग का रवैया बदलना ही होगा। भारत में किसान 45 किग्रा यूरिया का एक बैग 266 रुपये में खरीदता है, जबकि इसकी वास्तविक कीमत करीब 4,000 रुपये होती है। इसकी बिक्री पर होने वाले घाटे की भरपाई सरकार खुद करती है। इसी सरकारी सब्सिडी के चलते किसान के लिए खेती की लागत नियंत्रित रहती है। मुश्किल यह है कि सरकार के लिए अब यह खर्च इतना ज्यादा बढ़ गया है कि उसे वहन करना काबू से बाहर जा रहा है। वित्त वर्ष 2026-27 में सरकार ने 1.7 लाख करोड़ रुपये केवल उर्वरक सब्सिडी पर खर्च किए और इस साल यह खर्च कहीं ज्यादा बढ़ेगा। इतनी विशाल राशि से तो बड़े पैमाने पर सिंचाई के लिए नहर, ग्रामीण सड़कों या स्कूलों का निर्माण किया जा सकता है। पश्चिम एशिया में छिड़ी जंग और उर्वरक आपूर्ति के एक प्रमुख जलमार्ग होर्मुज में गतिरोध से चरमराई आपूर्ति के चलते भारत को इस समय विदेशी बाजार से 959 डालर प्रति टन की दर पर यूरिया खरीदना पड़ रहा है। ये दरें दो महीनों के अंतराल में लगभग दोगुनी बढ़ गई हैं। इस दर पर 25 लाख टन का कोई आर्डर एक ही झटके में साल भर के आयात का एक चौथाई हिस्सा खर्च कर देगा।

सब्सिडी से उपजी समस्या का एक पहलू यह भी है कि सस्ता मिलने से किसान उर्वरकों का आवश्यकता से अधिक उपयोग करते हैं। विज्ञानियों की अनुशंसा के अनुसार तीन मुख्य पादप पोषक तत्वों नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम का 4:2:1 के अनुपात में ही संतुलित उपयोग करना चाहिए। जबकि भारतीय खेतों में यह अनुपात सामान्यतः 11:4:1 का होता है। यानी यूरिया का अतिरेक और शेष का अत्यल्प उपयोग। केंद्रीय उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा का भी कहना है कि जहां दो बैग की जरूरत है, वहां किसान चार बैग उर्वरक उपयोग करते हैं। यह अतिरिक्त यूरिया फसल के लिए उपयोगी नहीं होता। इसका एक तिहाई हिस्सा ही पौधे अवशोषित कर पाते हैं और शेष या तो घातक ग्रीनहाउस गैसों के रूप में उत्सर्जित हो जाता है या भूजल में घुल जाता है। सस्ता यूरिया मिट्टी के साथ ही पानी को भी दूषित कर रहा है। एक समस्या रिसाव की भी है। जब कोई वस्तु वास्तविक मूल्य से कम पर बिकती है तो उसके दुरुपयोग की आशंका कहीं ज्यादा बढ़ जाती है। सरकारी आकलन के अनुसार करीब 20 प्रतिशत उर्वरक बैग कालाबाजारी की भेंट चढ़ जाते हैं।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK
LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE
SHARE
COMMENT
SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई की 130 साल पुरानी स्वदेशी मार्केट बनी खतरा, पुनर्विकास अटकने से बढ़ी लोगों की चिंता...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के दक्षिण मुंबई के कालबादेवी इलाके में स्थित 130 साल पुरानी स्वदेशी मार्केट इमारत का पुनर्विकास अटकने से रहिवासियों और किरायेदारों में नाराजगी का माहौल है.बारिश के मौसम से पहले यह इमारत खतरनाक घोषित होने के बावजूद खाली नहीं कराई गई है और पुनर्वसन की प्रक्रिया भी ठप पड़ी है, जिससे व्यापारियों और स्थानीय निवासियों की जान जोखिम में है.पिछले कई वर्षों से स्वदेशी मार्केट में कपड़ों का व्यापार चलता आ रहा है. व्यापारी संगठन के कुछ सदस्यों पर पुनर्विकास प्रक्रिया में बाधाएं डालने का आरोप लगाया जा रहा है.म्हाडा द्वारा इस इमारत को खतरनाक घोषित किया गया है और जल्द से जल्द दुकानें व घर खाली करने की नोटिस भी जारी की गई है.इसके बावजूद

मार्केट प्रबंधन ने पुनर्विकास के बजाय इमारत की मरम्मत का काम शुरू किया है.आखिर पुनर्विकास क्यों रोका जा रहा है, यह सवाल अब भी अनुत्तरित है.

रहिवासियों और व्यापारियों की जान से खिलवाड़

इन चार इमारतों में करीब 720 किरायेदार और 55 रहिवासी रहते हैं.पुनर्विकास का समर्थन करने वाले रहिवासियों का आरोप है कि कुछ व्यापारी अपना व्यवसाय जारी रखने के लिए लोगों की जान जोखिम में डाल रहे हैं. इमारत में रहने वाले मुकेश मोरे कहते हैं, ''मैं कई वर्षों से परिवार के साथ इस इमारत में रह रहा हूं.बारिश के मौसम में हमेशा डर बना रहता है कि इमारत कहीं गिर न जाए.तेज बारिश होने पर पूरी इमारत हिलने लगती है.कई दुकानों के हिस्से टूटकर गिर चुके हैं। यहां रहना और व्यापार करना जान जोखिम में डालने जैसा है.लेकिन प्रबंधन अपने निजी स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी से खेल रहा है.

1960 में हुई थी मरम्मत

स्वदेशी मार्केट इमारत की मरम्मत वर्ष 1960 में की गई थी. इसके बाद 2012 में स्वदेशी मार्केट का पुल गिर गया था.इमारत की हालत लगातार खराब होती जाने के कारण 2016 में केवल मरम्मत के बजाय पुनर्विकास की मांग तेज हो गई.2023 में इस मामले में कार्रवाई को गति मिली.फरवरी महीने में बीएमसी की ओर से दो नोटिस जारी किए गए, जबकि जुलाई 2023 में इमारत को बी-1 श्रेणी की खतरनाक इमारत घोषित किया गया. इसके बाद अगस्त में पीपीपी चयन के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू की गई.26 जून 2025 को म्हाडा ने इस इमारत को सी-1 श्रेणी की अत्यंत खतरनाक इमारत घोषित करते हुए 7 दिनों के भीतर खाली करने की नोटिस जारी की.

मुंबई के मीरा रोड में दो गुटों के बीच झड़प, बकरीद पर कुबार्नी के लिए पूनम क्लस्टर सोसाइटी के बाहर बवाल

ठाणे: मुंबई के पास मीरा रोड इलाके में मंगलवार को तनाव बढ़ गया। यहां बकरीद के जश्न से पहले रिहायशी परिसर के अंदर बकरियों की मौजूदगी को लेकर पूनम क्लस्टर सोसाइटी के पास दो गुटों में झड़पें हो गईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ठाणे में कुछ लोगों ने ईद-उल-अजहा के दौरान धार्मिक कुबार्नी के लिए हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के अंदर बकरियां रखे जाने पर आपत्ति जताई। इस पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया, जो बाद में टकराव में बदल गया। हालात को और बिगड़ने से रोकने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

दरअसल यह विरोध प्रदर्शन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े और कई बीजेपी नेताओं ने बृहन्मुंबई नगर निगम (इटउ) से एक सर्कुलर जारी करने का आग्रह किया है। इसमें बकरीद के दौरान हाउसिंग सोसाइटियों और चालों में बकरियों की कुबार्नी पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है।

सोसायटी में जानवरों की कुबार्नी पर प्रतिबंध लगाने की मांग

बीजेपी के पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने हाल ही में मेयर, नागरिक स्थायी समिति के अध्यक्ष प्रभाकर शिंदे, बीएमसी में बीजेपी के नेता गणेश खानकर और नागरिक उद्यान समिति की अध्यक्ष हेतल गाला के साथ एक बैठक की थी। इस बैठक के बाद इन चुने हुए प्रतिनिधियों ने कथित तौर पर बीएमसी कमिश्नर अश्विनी भिड़े को पत्र लिखकर रिहायशी परिसरों में जानवरों की कुबार्नी पर प्रतिबंध लगाने की मांग की।

मुस्लिम समुदाय के नेताओं ने चेतावनी दी

हालांकि, बीजेपी नेताओं के मांग के विरोध में मुस्लिम समुदाय के नेताओं ने चेतावनी दी है कि ऐसा कोई भी सर्कुलर त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा कर सकता है और सांप्रदायिक तनाव को बढ़ा सकता है।

नवी मुंबई में 10% पानी की कटौती, 25 मई से 2 दिनों के लिए शाम की सप्लाई बंद, कौन से इलाके होंगे प्रभावित?

नवी मुंबई: मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में बेतहाशा गर्मी पड़ रही है। ऐसे में जल संकट भी गहरा गया है। मोरबे बांध में पानी का स्तर कम हो गया। ऐसे में बढ़ते तापमान, वाष्पीकरण में वृद्धि और कम बारिश के पूवार्नुमानों को देखते हुए नवी मुंबई नगर निगम ने पूरे शहर में पानी की कटौती लागू करने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके चलते सोमवार, 25 मई से पूरे नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्र में 10 प्रतिशत पानी की कटौती लागू की जा रही है। इसके अलावा शहर के अलग-अलग सेक्टरों में सप्ताह में दो दिन शाम के समय पानी की सप्लाई पूरी तरह से बंद रहेगी।

मोरबे बांध में कितना बचा पानी ?

दरअसल मोरबे बांध नवी मुंबई क्षेत्र के लिए पानी का मुख्य स्रोत है। इस बांध की कुल भंडारण क्षमता 190.890 मिलियन क्यूबिक मीटर है। वर्तमान में उपयोग योग्य पानी का वास्तविक भंडार केवल 36.470 टउट है। जो इसकी क्षमता का मात्र 19.11 प्रतिशत है। ये पानी की कटौतियां यह सुनिश्चित करने के लिए लागू की गई हैं कि बाकी बचे पानी को संरक्षित किया जाए और आने वाले साल की योजनाओं के लिए उनका बुद्धिमानी से उपयोग किया जाए।

नगर निगम के इस फैसले का प्रभाव न केवल नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्र पर पड़ेगा। बल्कि सिडको के खारघर और कामोठे नोड्स पर भी पड़ेगा। जिन्हें मोरबे बांध से ही पानी की सप्लाई मिलती है। इसके चलते इन दोनों सिडको क्षेत्रों में हर शुक्रवार को पानी की सप्लाई पूरी तरह से बंद रहेगी। ऐसे में लोगों से अपील की गई है कि वे पानी का उपयोग समझदारी से करें और नवी मुंबई नगर निगम को अपना पूर्ण सहयोग दें।

नगर निगम की ओर से कहा गया है कि ये उपाय महाराष्ट्र सरकार के निदेर्शों के अनुसार लागू किए जा रहे हैं। ये एक एहतियाती कदम के रूप में कार्य करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जलाशयों में पानी का भंडार यथासंभव लंबे समय तक बना रहे। साथ ही ये उपाय भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के उन पूवार्नुमानों को ध्यान में रखते हुए भी किए जा रहे हैं। इनमें इस साल अल नीनो और इंडियन ओशन डाइपोल स्थितियों के संभावित प्रभाव की बात कही गई है।

मुंबई : अब सरकारी जमीनों पर घास की खेती ! चारे के साथ बढ़ेगा रोजगार... सीएम के सुझाव पर राजस्व मंत्री का निर्णय

मुंबई : ग्रामीण भागों से लेकर शहरों तक सरकारी व राजस्व विभाग की खाली जमीनों पर घास की खेती किए जाने का निर्णय सरकार ने लिया है। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सरकार की खाली जमीनों पर बड़े पैमाने पर 'नेपियर घास' और बांस की खेती करने का बड़ा फैसला किया गया है। खास बात यह है कि यह जमीन लोकल महिला सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स, महिला आर्थिक विकास महामंडल और पढ़े-लिखे बेरोजगार लोगों के संगठनों को तीन साल की लीज पर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा राज्य में चारे की कमी की समस्या का हल निकालने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का सुझाव के बाद एक बैठक मंत्रालय के रेवेन्यू मिनिस्टर के ऑफिस में हुई। मीटिंग में वित्त राज्य मंत्री आशीष जायसवाल और मंत्रालय के अलग-अलग डिपार्टमेंट के अधिकारी शामिल हुए।

अच्छी क्वालिटी का चारा जरूरी

रेवेन्यू मिनिस्टर बावनकुले ने कहा, राज्य में डेयरी इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए अच्छी क्वालिटी का चारा मिलना बहुत जरूरी है। अगर आपको अच्छा दूध चाहिए, तो आपको अच्छा चारा मिलना चाहिए, इसी मुख्य मकसद को ध्यान में रखकर यह स्कीम बनाई गई है। इस नई पॉलिसी से, राज्य में एक भी सरकारी रेवेन्यू जमीन या खेती के सेक्टर की सरकारी जमीन खाली नहीं रहेगी। इन जमीनों का इस्तेमाल न सिर्फ.चारे और बांस की खेती के लिए किया जाएगा, बल्कि नर्सरी, नॉन-कन्वेंशनल एनर्जी सोर्स और ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर बनाने जैसे एनवायरनमेंट-फ्रेंडली और रोजगार देने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए भी किया जाएगा।

सख्ती से लागू होगा त्रिस्तरीय एग्रीमेंट

इसके लिए राज्य में सभी सरकारी जमीनों की तुरंत नाप कर उन जमीनों पर यह पट्टिका लगाने के सख्त आदेश दिए गए हैं कि वे 'सरकारी प्रॉपर्टी' हैं। त्रिस्तरीय एग्रीमेंट मैकेनिज्म के लीज पर जमीन देने के लिए विमेन इकोनॉमिक डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर और संबंधित एग्जीक्यूटिव मैकेनिज्म के बीच एक मजबूत तीन-तरफा एग्रीमेंट साइन किया जाएगा। रेवेन्यू डिपार्टमेंट की तरफ से डिप्टी कलेक्टर इस एग्रीमेंट का लीगल प्रोसेस पूरा करेंगे। सरकारी जमीनों के साथ-साथ अब किसान या कोई भी जमीन का मालिक अपनी प्राइवेट जमीन को बिना वजह खाली या बंजर नहीं रख पाएगा। उसका इस्तेमाल सही खेती या चारा उगाने के लिए करना जरूरी होगा। इस स्कीम का दायरा सिर्फ. ग्रामीण इलाकों तक ही सीमित नहीं है, इसे अर्बन और सेमी-अर्बन अथॉरिटी के इलाकों में भी लागू किया जाएगा। MMRDA, PMRDA, NMRDA, CIDCO और दूसरी सभी लोकल अथॉरिटी के अधिकार क्षेत्र में आने वाली रेवेन्यू डिपार्टमेंट की सभी खाली और बेकार जमीनों को अपने कब्जे में लेकर इस प्रोजेक्ट के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

बीएमसी स्कूलों के भूखंडों का निजी संस्थाओं को आवंटन रोके, विधायक सरदेसाई, बोले सार्वजनिक शिक्षा को खतरा

बांद्रा : बांद्रा (पूर्व) के विधायक वरुण सतीश सरदेसाई ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका आयुक्त को पत्र लिखकर कहा कि बीएमसी के स्कूलों के भूखंडों का निजी शैक्षणिक संस्थाओं को पीपीपी मॉडल के तहत आवंटन बेहद चिंताजनक है। उनके अनुसार, आम मुंबईकर के लिए निजी शिक्षा दिन-प्रतिदिन महंगी होती जा रही है, जबकि यह मॉडल सिर्फ निजी संस्थाओं के फायदे के लिए है। विधायक ने चिंता जताई कि अत्यधिक मूल्यवान सार्वजनिक संपत्ति के उपयोग के बावजूद बीएमसी को बहुत कम राजस्व मिलता है। साथ ही, मुंबई में पहले से ही कई मराठी माध्यम की स्कूलें बंद हो रही हैं, और पिछले अनुभव बताते हैं कि निजी हस्तक्षेप से स्कूल कमजोर हुए हैं या बंद हो गए हैं।

स्कूलों को सशक्त बनाने की जरूरत

सरदेसाई ने कहा कि आज की आवश्यकता बीएमसी के स्कूलों को निजी हाथों में देना नहीं, बल्कि उन्हें अधिक सक्षम और आधुनिक बनाना है। नगर निगम को बुनियादी ढांचे, शिक्षा की गुणवत्ता और डिजिटल सुविधाएं बढ़ाने तथा मराठी माध्यमों को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए।

समिति गठित की जाए

विधायक ने मांग की है कि भूखंडों का निजी संस्थाओं को प्रस्तावित आवंटन तत्काल रोका जाए। साथ ही, पूरी नीति की समीक्षा के लिए एक स्वतंत्र समिति बनाई जाए और इस संबंध में सभी आर्थिक एवं नीतिगत जानकारी सार्वजनिक की जाए।

अवैध खनन के खिलाफ टॉवर पर चढ़ा युवक, किसान ने जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में किया हाई वोल्टेज ड्रामा...

मुंबई : वडालीभोई शिवार में राजमार्ग से सटे खेतों से महज 100 मीटर की दूरी पर 10 से 12 अवैध खदानें और क्रशर धड़ल्ले से चल रहे हैं। इससे साल 2018 से ही स्थानीय किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। बार-बार शिकायतें करने के बावजूद जिला प्रशासन द्वारा इस ओर आंखें मूंद लेने के कारण आखिरकार मंगलवार 26 मई को एक पीड़ित युवक चेतन शेवाले ने जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में स्थित मोबाइल टॉवर पर चढ़कर करीब 40 मिनट तक उग्र आंदोलन किया। युवक के अचानक टॉवर पर चढ़ने से जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया और तुरंत पुलिस को मौके पर बुलाया गया।

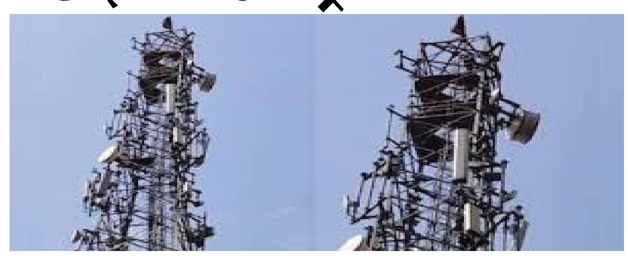

आखिरकार जिलाधिकारी आयुष प्रसाद द्वारा युवक शेवाले को चर्चा के लिए बुलाने का आश्वासन दिए जाने के बाद वह नीचे उतरा, जिसके बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली।

40 मिनट मची रही अफरा-तफरी

आंदोलनकारी युवक ने आरोप लगाया कि क्रशरों से उड़ने वाली धूल के प्रदूषण के कारण इलाके के 10 से 12 किसानों की फसलें पूरी तरह झुलस गई हैं। कृषि विभाग द्वारा किए गए निरीक्षण में भी 70 से 75 प्रतिशत फसल नुकसान की बात सामने आई है। इसके अलावा, खदानों में होने वाले भारी विस्फोटों (ब्लास्टिंग) के कारण स्थानीय घरों में दरारें आ गई हैं और कुओं का जलस्तर भी काफी नीचे चला गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि मंडल अधिकारी योगिता भोये ने मौके पर वास्तव में चल रही 9 अवैध खदानों को अपनी सरकारी रिपोर्ट में शेततले (कृषि तालाब) के रूप में दर्शाया है।

इसके साथ ही, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने आज तक इस क्षेत्र में वायु गुणवत्ता की कोई जांच ही नहीं की है। शेवाले ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा, बिना किसी आधिकारिक अनुमति के यहां लाखों ब्रास गौण खनिजों का अवैध उत्खनन किया गया है। यह सारी सामग्री कहां बेची गई, इसका हिसाब कौन देगा? यह मामला राजस्व मंत्री तक पहुंचने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। जब गरीब किसान पूरी तरह बर्बाद हो रहे हैं, तो प्रशासन मौन क्यों साधे बैठा है?

महाविकास आघाड़ी को एक और झटका, शिंदे सेना में 'इस' बड़ी पार्टी का होगा विलय!

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में विधान परिषद चुनावों के पृष्ठभूमि में, सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे एक बड़ा पॉलिटिकल शॉक टैक्टिक इस्तेमाल करने की तैयारी में हैं। चर्चा है कि वोट बैंक बढ़ाने और पार्टी की ताकत बढ़ाने के लिए शिंदे सेना में एक पॉलिटिकल पार्टी को विलिन करने की स्ट्रैटेजी बनाई जा रही है। इन नए पॉलिटिकल डेवलपमेंट की वजह से, यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि शिंदे सेना के पुराने विधायक रविंद्र फाटक का कैंडिडेट कैंसिल हो जाएगा। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि फाटक की जगह क्षितिज ठाकुर अचानक एंट्री कर सकते हैं। इस वजह से ठाणे के पॉलिटिकल गलियारों में काफी सरगर्मी है। बता दें कि इससे पहले विधान परिषद चुनावों के बीच बच्चू कडू ने अपने प्रहार संगठन का शिंदे सेना में विलय कर दिया था और शिवसेना में शामिल हो गए थे। उसके बाद एक महीने के अंदर ही यह जानकारी सामने आ रही है कि वसई-विरार में बहुजन विकास अघाड़ी के नेता क्षितिज ठाकुर भी शिंदे सेना की राह पर हैं।

एकनाथ शिंदे का नया पॉलिटिकल शॉक टैक्टिक

चर्चा है कि शिवसेना विधान

परिषद चुनाव में वोटों की ताकत बढ़ाने के लिए यह राजनीतिक चाल चल रही है। इस वजह से पूर्व विधायक रविंद्र फाटक की उम्मीदवारी पर सवालिया निशान लग गया है, और सूत्रों ने संभावना जताई है कि उनकी जगह क्षितिज ठाकुर को उम्मीदवार बनाया जा सकता है। मिली जानकारी के मुताबिक, वसई-विरार इलाके में बहुजन विकास अघाड़ी के हितेंद्र ठाकुर का दबदबा है। लेकिन अब बहुजन विकास अघाड़ी के भी शिवसेना में मर्ज होने की संभावना जताई जा रही है। एकनाथ शिंदे ने ठाकरे विधान परिषद चुनाव में वोटों की गिनती को एडजस्ट करने और पार्टी को बढ़ाने के लिए अपनी पॉलिटिकल एक्टिविटीज शुरू कर दी हैं।

पूर्व विधायक रविंद्र फाटक का पत्ता कटा?

बहुजन विकास अघाड़ी के इन अचानक बने पॉलिटिकल समीकरणों की वजह से शिंदे सेना के वफादार नेता रविंद्र फाटक का पत्ता कट सकता है। रविंद्र फाटक खुद इस सीट के लिए इच्छुक हैं और उन्होंने चुनाव के लिए मोर्चा भी बनाना शुरू कर दिया है। हालांकि, राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे एक बड़ा पॉलिटिकल शॉक टैक्टिक इस्तेमाल करते हुए फाटक की जगह बहुजन विकास अघाड़ी के नेता क्षितिज ठाकुर को उम्मीदवार बनाने की तैयारी में हैं।

नौतपा आज से शुरू

नौतपा की भीषण तपन से राजस्थान में बरसेगी आग, 50 डिग्री के पार जा सकता है पारा, 18 जिलों में जारी हीटवेव का अलर्ट

जयपुर

राजस्थान में जेठ की गर्मी ने अब अपना विकराल रूप दिखाना शुरू कर दिया है. दिन चढ़ने के साथ ही सूरज की तीखी किरणें लोगों को झुलसा रही हैं, जिसके कारण दोपहर होते-होते सड़कें पूरी तरह सूनी हो जाती हैं. प्रदेश के बाड़मेर, जैसलमेर और फलोदी जैसे रेतीले जिलों में पारा पहले ही 45 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को पार कर चुका है. इस बीच, कल यानी 25 मई से साल के सबसे गर्म 9 दिन यानी 'नौतपा' की शुरुआत हो चुकी है, जो 2 जून तक चलेगी. मौसम विभाग ने राज्य के 18 जिलों में भीषण हीटवेव (लू) का येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो अगले 9 दिनों में राजस्थान के कई हिस्सों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को पार कर 'आधा शतक' लगा सकता है,

नकारात्मक प्रभाव से बचाएंगे ये अचूक दान और उपाय

इस बार नौतपा की शुरुआत गंगा दशहरा के पावन पर्व पर हुई है, जिससे इसका धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व कई गुना बढ़ गया है. ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस तपन के नकारात्मक प्रभाव और ग्रहों के दोष से बचने के लिए विशिष्ट चीजों का दान सबसे ज्यादा असरदार साबित होगा. इसके लिए राहगीरों के लिए प्याऊ लगवाना और उन्हें ठंडा पानी या शरबत पिलाना इस मौसम में सबसे बड़ा पुण्य का काम है. शास्त्रों में इसे 100 यज्ञों के बराबर माना गया है. इसके साथ ही जरूरतमंदों को सत्तू, घड़ा (मटका), तरबूज, खरबूजा और आम जैसे मौसमी फलों का दान करें.

मौसम विभाग और प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच बहुत जरूरी न हो तो घरों से बाहर न निकलें. बाहर निकलते समय सूती कपड़े पहनें, सिर को ढककर रखें और शरीर में पानी की कमी न होने दें.

एनसीआर में 29 से बदलेगा मौसम, बारिश की उम्मीद

मौसम विभाग की भविष्यवाणी है कि उत्तर भारत, खासकर दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में 29 मई से मौसम में बदलाव दिखने लगेगा। इन राज्यों के 50 फीसदी इलाकों तक में शुक्रवार को बारिश, आंधी का अनुमान है। इसके कारण इन इलाकों में शनिवार को अधिकतम और न्यूनतम दोनों ही तापमान में गिरावट आने की उम्मीद है। मौसम में बदलाव से तापमान में 3 से 5 डिग्री तक की गिरावट आ सकती है।

क्यों इतना खौफनाक है इस बार का नौतपा?

प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य डॉ. पुरुषोत्तम गौड के मुताबिक, इस बार नौतपा की शुरुआत गंगा दशहरा और दुर्लभ 'रवि योग' के संयोग में हुई है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, आज सूर्य देव वृषभ राशि में गोचर करते हुए 'रोहिणी नक्षत्र' में प्रवेश कर चुके हैं. रोहिणी नक्षत्र का स्वामी 'चंद्रमा' होता है, जो शीतलता और सौम्यता का प्रतीक है. लेकिन जब उग्र और क्रूर ग्रह सूर्य इस नक्षत्र में आते हैं, तो वे चंद्रमा की पूरी शीतलता को सोख लेते हैं. चूंकि रोहिणी पृथ्वी तत्व का नक्षत्र है, इसलिए सूर्य की किरणें सीधे धरती पर पड़ती हैं और जमीन भट्टी की तरह तपने लगती है.

जितनी तपिश, उतनी अच्छी बारिश

हालांकि, इस भीषण गर्मी के बीच एक अच्छी खबर भी है. ज्योतिषविदों और मौसम वैज्ञानियों का मानना है कि इन 9 दिनों में धरती जितनी ज्यादा तपेगी, इस साल मानसून उतना ही मजबूत और समृद्ध आएगा. सनातन परंपरा में नौतपा को मानसून का 'गर्भकाल' माना जाता है. इस दौरान बनने वाला कम दबाव का क्षेत्र समुद्र से मानसूनी हवाओं को तेजी से अपनी तरफ खींचता है.

कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली: चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया की टिप्पणी के बाद अचानक चर्चा में आई कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। याचिका में Cockroach Janta Party के खिलाफ एक्शन लेने की मांग की गई है। जनहित याचिका में कहा गया है कि इस संगठन ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का गलत औस व्यावसायिक इस्तेमाल किया है। PIL में कहा गया है कि कॉकरोच जनता पार्टी नामक स्व-घोषित राजनीतिक संगठन की गतिविधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। इस संगठन पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई मौखिक टिप्पणियों का दुरुपयोग करने और उनका व्यावसायिक लाभ उठाने का आरोप है। याचिका में कहा गया है कि ऐसी संस्थाओं और प्रतीकात्मक अभियानों का उभरना, जो कथित तौर पर प्रचार, व्यापारिक उपयोग, व्यावसायिक जुड़ाव और डिजिटल लामबंदी के लिए अदालती अभिव्यक्तियों का इस्तेमाल करते हैं। यह संवैधानिक प्रक्रियाओं के खतरनाक वस्तुकरण को दर्शाता है। इतना ही नहीं सीजेपी के अलावा इस याचिका में फर्जी वकीलों से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र जांच की भी मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि बेहतर होगा कि यह जांच CBI द्वारा की जाए। ये फर्जी वकील जाली डिग्रियां लेकर कानूनी पेशे में सक्रिय हैं।

22 लाख बच्चों का भविष्य दांव पर: राहुल बोले- प्रधान के इस्तीफे तक नहीं रुकेंगे

नई दिल्ली

नीट-यूजी परीक्षा में कथित पेपर लीक मामले को लेकर सियासत तेज हो गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस तब तक शांत नहीं बैठेगी, जब तक शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते और परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित नहीं बनाया जाता। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हैदराबाद में छात्रों के प्रदर्शन का एक वीडियो साझा किया। प्रदर्शनकारी छात्र नीट पेपर लीक के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ भी नारे लगाए गए। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में कहा कि जब लाखों युवा सड़कों पर हों, 22 लाख छात्रों का भविष्य दांव पर लगा हो और

प्रधानमंत्री चुप रहें, तो यह साफ दिखाता है कि सरकार जवाब देने के बजाय बचने में लगी है। उन्होंने कहा 'जब तक धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते और नीट जैसे पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत और फुलप्रूफ व्यवस्था लागू नहीं होती, तब तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा।' गौरतलब है कि कांग्रेस लगातार नीट-यूजी परीक्षा रद्द होने के बाद शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रही है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और सुरक्षा बनाए रखने में विफल रही है। वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी के एनडीए सरकार गिरने वाले बयान को लेकर पलटवार किया। नागपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी की बातें सिर्फ 'मुंगेरीलाल के हसीन सपने' जैसी हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का यह दावा कि मोदी सरकार एक साल के भीतर गिर जाएगी, पूरी तरह कल्पना और दिवास्वप्न है। फडणवीस नागपुर में गोदाम लॉजिस्टिक्स पार्क के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे थे, जहां केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की नई लॉजिस्टिक्स नीति के कारण नागपुर देश का प्रमुख लॉजिस्टिक्स हब बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक लॉजिस्टिक्स पार्क बनने से उद्योगों की लागत घटेगी और भारतीय कंपनियां वैश्विक सप्लाई चेन में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकेंगी।

अगर मैं डील करूंगा, तो वह बेहतरीन होगी, ईरान के साथ समझौते पर बोले ट्रंप

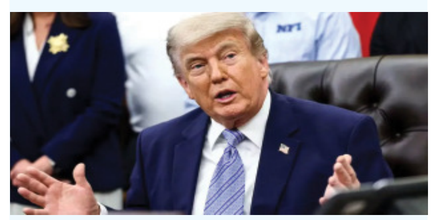

वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के साथ संभावित परमाणु समझौते को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि अगर उनकी सरकार ईरान के साथ कोई समझौता करती है तो वह 'अच्छा और सही समझौता' होगा। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के दौर में हुए परमाणु समझौते पर निशाना साधते हुए कहा कि उस डील ने ईरान को भारी मात्रा में नकदी दी और परमाणु हथियार तक पहुंचने का खुला रास्ता दिया। ट्रंप ने दावा किया कि उनकी संभावित डील पूरी तरह इसके उलट होगी और अमेरिका के हितों को ध्यान में रखकर बनाई जाएगी। ट्रंप ने कहा कि ओबामा प्रशासन ने ईरान के साथ जो समझौता किया था, वह अमेरिका के लिए नुकसानदायक साबित हुआ। उनके मुताबिक उस डील से ईरान को आर्थिक फायदा मिला और उसने अपनी परमाणु गतिविधियों को आगे बढ़ाने का मौका हासिल किया। ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार ऐसी कोई गलती नहीं दोहराएगी। उन्होंने साफ कहा कि वह 'खराब समझौते' नहीं करते और उनकी प्राथमिकता अमेरिका की सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता होगी। ट्रंप ने अपने विरोधियों पर भी निशाना साधा और कहा कि जो लोग इस संभावित समझौते की आलोचना कर रहे हैं, उन्हें अभी इसकी पूरी जानकारी ही नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी साफ किया कि ईरान के साथ संभावित समझौता अभी पूरी तरह तैयार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि बातचीत जारी है और अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। ट्रंप के मुताबिक, अभी तक किसी ने इस डील को देखा नहीं है और न ही इसके सभी बिंदु तय हुए हैं। इसके बावजूद कुछ लोग लगातार आलोचना कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं करेगी और हर कदम सोच-समझकर उठाया जाएगा। ईरान का परमाणु कार्यक्रम लंबे समय से वैश्विक राजनीति का बड़ा मुद्दा रहा है। अमेरिका और पश्चिमी देशों को आशंका रही है कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकता है, जबकि ईरान हमेशा अपने कार्यक्रम को शांतिपूर्ण बताता रहा है।

रूस के साथ चट्टान की तरह खड़ा भारत! मार्को रूबियो के सामने एस जयशंकर ने बता दी नीति

नई दिल्ली: रूस और भारत की दोस्ती किसी से छुपी नहीं है। यूक्रेन के सपोर्ट में अमेरिका ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगा रख हैं। लेकिन यूएस के सभी प्रतिबंधों को दरकिनार करते हुए भारत ने रूस से तेल की खरीद जारी रखी है। भारत आए अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो के सामने एस जयशंकर ने भारत और रूस के संबंध के बारे में बताया। उन्होंने रूस के साथ भारत के मजबूत संबंधों की पुष्टि की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया जटिल चुनौतियों और संघर्षों से घिरी हुई है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे उन सभी पार्टियों (देश) के साथ बेहतर संबंध हैं, जो विवादों में उलझे हुए हैं। हम यूक्रेन समस्या को लेकर भी ऐसा कह सकते हैं। हमारे रूस के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि यूरोप के साथ भी हमारे रिश्ते अच्छे हैं और यूक्रेन के साथ भी। अब सवाल यह उठता है कि हम सबको एक साथ कैसे मैनेज करते हैं। अगर संक्षेप में कहें तो मल्टी अलाइमेंट के कारण यह संभव है। आज के भारत में हमारे अलग-अलग इंट्रेस्ट हैं, जिनकी वजह से हमें सभी के साथ रिश्ते बेहतर रखने होते हैं। बता दें कि आज ही अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने दावा किया कि कुछ ही घंटों में ईरान को लेकर कोई बड़ी घोषणा की जा सकती है। दिल्ली में एक सवाल के जवाब में उन्होंने ये बात कही। रूबियो के अनुसार, यूएस-ईरान की बातचीत में प्रगति हुई है और कुछ बड़ा ऐलान संभव है।

अराजकता की साजिश रच रहे राहुल गांधी: पीयूष गोयल का आरोप, कहा-देश में हिंसा फैलाना चाहते हैं कांग्रेस नेता

नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोला है। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी विदेशी शक्तियों के इशारे पर देश में अराजकता पैदा करके नरेंद्र मोदी सरकार को अस्थिर करने की साजिश रच रहे हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने दावा किया कि राहुल गांधी की योजना का पर्दाफाश हो चुका है। दरअसल, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पिछले मंगलवार को कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग की सलाहकार परिषद की बैठक में कथित तौर पर कहा था कि मोदी सरकार एक साल के भीतर गिर जाएगी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट साझा की। गोयल ने लिखा कि राहुल गांधी का यह बयान एक बड़ी साजिश की तरफ इशारा करता है। इसमें कांग्रेस, कई विपक्षी दल और एक टूलकिट गैंग शामिल है, जो भारत को अस्थिर करने का सपना देख रहे हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता पीयूष गोयल ने एक मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए कहा कि यह कोई साधारण बयान नहीं है। बल्कि, यह देश में अराजकता फैलाने के उद्देश्य से रची गई एक गंभीर साजिश है। गोयल ने आगे आरोप लगाया कि राहुल गांधी और उनके सहयोगी देश भर में हिंसा भड़काने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष को यह समझ आ गया है कि वे सीधे चुनावी मुकाबले में भाजपा को नहीं हरा सकते और न ही मोदी सरकार को हटा सकते हैं, क्योंकि देश की जनता प्रधानमंत्री का बेहद सम्मान करती है। गोयल ने निशाना साधते हुए कहा कि भारत के प्रति उनकी नफरत इतनी गहरी है कि वे देश में कुछ भी सकारात्मक होते हुए नहीं देख सकते।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने भी राहुल गांधी के इस कथित बयान पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने भाजपा सांसद के रूप में एक वीडियो संदेश जारी कर कांग्रेस नेता पर देश में दंगे भड़काकर मोदी सरकार को बेदखल करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। पात्रा ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर धृष्टता दिखाई है। कल एक बैठक में उन्होंने कहा कि मोदी सरकार एक साल में गिर जाएगी।

जान्हवी कपूर ने बनारसी टेक्सटाइल को दिया मॉडर्न कॉउचर टच

पारंपरिक बुनाई एक बार फिर फैशन की दुनिया में चर्चा का केंद्र बन रही है और इस ट्रेंड को नई पहचान देने में बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर का नाम सामने आ रहा है। हाल ही में जान्हवी कपूर ने बनारसी टेक्सटाइल को एक आधुनिक कॉउचर लुक में पेश किया, जिसने फैशन प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ''पेड्डी'' के प्रमोशन में व्यस्त हैं और इस दौरान वे लगातार एथनिक लुक्स में नजर आ रही हैं। उनके हर आउटफिट में भारतीय परंपरा और आधुनिक फैशन का अनोखा मेल देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में उनका हालिया बनारसी आउटफिट सोशल मीडिया पर खास चर्चा में है।

बनारसी कपड़े भारत की पारंपरिक बुनाई कला का प्रतीक माने जाते हैं, जिन्हें खासतौर पर उनकी बारीक कारीगरी, चमकदार डिजाइन और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। जान्हवी कपूर ने इसी पारंपरिक फैब्रिक को एक नए और मॉडर्न अंदाज में पेश किया, जिससे यह और भी स्टाइलिश और ग्लैमरस नजर आया।

उनका यह लुक पारंपरिक बनारसी फैब्रिक को कॉउचर डिजाइन के साथ जोड़कर तैयार किया गया था, जिसमें आधुनिक सिल्हूट और क्लासिक बनारसी बुनाई का खूबसूरत संतुलन देखने को मिला। इस स्टाइल ने न केवल उनकी फैशन सेंस को उजागर किया, बल्कि भारतीय टेक्सटाइल की खूबसूरती को भी एक नया मंच दिया।

फैशन विशेषज्ञों का मानना है कि जान्हवी कपूर जैसे युवा सितारे जब पारंपरिक कपड़ों को आधुनिक अंदाज में प्रस्तुत करते हैं, तो इससे भारतीय हैंडलूम और बुनाई को नई पीढ़ी के बीच भी लोकप्रियता मिलती है। यह ट्रेंड न केवल फैशन इंडस्ट्री में बदलाव लाता है, बल्कि पारंपरिक कारीगरों को भी नई पहचान दिलाने में मदद करता है। जान्हवी कपूर का यह लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, और फैंस उनके इस एथनिक अवतार की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि उन्होंने बनारसी टेक्सटाइल को एक ग्लोबल फैशन स्टेटमेंट में बदल दिया है।

उनके स्टाइलिंग विकल्पों में लगातार एथनिक और फ्यूजन वियर की झलक देखने को मिल रही है, जिससे यह साफ है कि वे भारतीय फैशन को आधुनिकता के साथ जोड़ने की दिशा में एक नई पहचान बना रही हैं। कुल मिलाकर, जान्हवी कपूर का यह नया लुक न केवल एक फैशन स्टेटमेंट है, बल्कि यह भारतीय पारंपरिक बुनाई और आधुनिक कॉउचर के बीच एक खूबसूरत पुल की तरह भी देखा जा रहा है, जिसने एक बार फिर बनारसी टेक्सटाइल को सुर्खियों में ला दिया है।

वरुण धवन, मृणाल ठाकुर का ''चुनरी चुनरी'' गाना रिलीज, फैंस का मन खट्टा

''हैजवानी तो इश्क होना है'' के मेकर्स ने मंगलवार को वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े पर फिल्माया गया गाना ''चुनरी चुनरी'' रिलीज किया। जहां डांस स्टेप्स, नएपन और गाने की वाइब ने लोगों का ध्यान खींचा, वहीं कुछ लोगों को पुराने वर्जन और सलमान खान-सुष्मिता सेन की याद आ गई। कई नेटिजन्स ने सोशल मीडिया पर निराशा जताई, और कई लोगों का कहना है कि एक और फेमस गाने को ''बर्बाद'' कर दिया गया है।

टिप्स म्यूजिक ने वरुण धवन, पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर पर फिल्माया गया यह गाना रिलीज किया। यह गाना सलमान खान और सुष्मिता सेन पर फिल्माए गए ''चुनरी'' गाने का रीमेक है। ऐसा लगता है कि नेटिजन्स को यह गाना ज्यादा पसंद नहीं आया। एक ने लिखा- एक फेमस गाने को फ्लद्ध। दूसरे ने लिखा- सलमान और सुष्मिता की एनर्जी का कोई मुकाबला नहीं। एक यूजर ने कहा- सलमान कोने में रो रहे होंगे। एक कमेंट में लिखा था- इससे घटिया क्या ही होगा।

सलमान खान ने उड़ाया मजाक

हाल ही में एक इवेंट में, मस्ती भरे माहौल में कैमरों के सामने पोज देते हुए, सलमान खान ने वरुण धवन का मजाक उड़ाया था और अपने एक और मशहूर गाने को रीक्रिएट करने पर कहा, ''इसने मेरा एक और गाना उठाया'', जो उनके एक मशहूर गाने के रीक्रिएशन की ओर इशारा था। इस कमेंट से वरुण शरमा गए और तुरंत बोले, ''भाई रहने दो'', जिस पर सलमान जोर से हंस पड़े।

वाशु भगनानी को ''चुनरी चुनरी'' पर आपत्ति

वाशु भगनानी ने कहा कि ''चुनरी चुनरी'' गाने के दोबारा इस्तेमाल से उन्हें ठेस पहुंची है और उनका दावा है कि म्यूजिक लेबल के लोग इस मुद्दे पर उनसे मिलने को तैयार नहीं हैं। भगनानी ने कहा, ''कम से कम उन्हें मेरे पास आकर मुझे बताना चाहिए था, क्योंकि मेरा बेटा इस फिल्म में है। किसी दूसरे निर्माता के लिए आप वही गाना कैसे शूट कर सकते हैं? इंडस्ट्री में नैतिकता होनी चाहिए।''

दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया बने जुड़वां बच्चों के माता-पिता

टेलीविजन इंडस्ट्री के लोकप्रिय कपल दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया के घर खुशियों ने दस्तक दी है। दोनों ने जुड़वां बच्चों का स्वागत किया है, जिससे उनके फैंस और टीवी जगत में खुशी का माहौल है। इस नई शुरुआत के साथ कपल ने अपने जीवन के एक खूबसूरत पड़ाव में कदम रखा है। दिव्यांका और विवेक ने इससे पहले 19 मार्च को अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। इस खबर को उन्होंने सोशल मीडिया पर एक मजेदार और क्रिएटिव पोस्ट के जरिए अपने फैंस के साथ साझा किया था, जिसे काफी पसंद किया गया था।

अब जुड़वां बच्चों के जन्म की खबर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लगातार बधाइयों का सिलसिला जारी है। फैंस, टीवी कलाकार और करीबी दोस्त इस कपल को शुभकामनाएं दे रहे हैं और उनके नए सफर के लिए प्यार जता रहे हैं।

अपनी प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट के दौरान दिव्यांका और विवेक ने फिल्मी अंदाज में एक मजेदार ट्विस्ट दिया था। उन्होंने लिखा था, ''मेरे करण अर्जुन आ गए,'' जो कि एक मशहूर बॉलीवुड डायलॉग का हल्का-फुल्का और मनोरंजक संदर्भ था। इस पोस्ट ने फैंस का ध्यान तुरंत खींच लिया था और यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया था।कपल की यह स्टाइल हमेशा से फैंस के बीच चर्चा में रहती है, और इस बार भी उन्होंने अपनी खुशखबरी को बेहद अनोखे अंदाज में साझा किया, जिससे उनके चाहने वालों के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

टेलीविजन की दुनिया में दोनों कलाकारों की अपनी अलग पहचान है और उनकी जोड़ी को भी दर्शक काफी पसंद करते हैं। अब जुड़वां बच्चों के आने से उनके परिवार में नई खुशी जुड़ गई है। फिलहाल कपल की ओर से बच्चों के नाम और अन्य जानकारी साझा नहीं की गई है, लेकिन फैंस बेसब्री से और अपडेट का इंतजार कर रहे हैं।

वामिका गब्बी बोलीं- मेरे अंदर का कॉमिडी वाला जो जानवर है, उसे मुझे निकालने की बहुत जरूरत है

आहिस्ता-आहिस्ता ही सही पंजाबी फिल्मों की हीरोइन रही वामिका गब्बी ने बॉलिवुड में जगह बना ही ली। एक समय में छोटी-छोटी भूमिकाएं करने वाली वामिका ने मुख्यधारा की नायिका बनने के लिए लंबा इंतजार किया। ग्रहण जैसी वेब सीरीज से चमकी वामिका ने जुबली और खुफिया जैसे ओटीटी प्रोजेक्ट्स से अपनी जमीन पुख्ता की। आज उन्हें अक्षय कुमार, राजकुमार राव और आयुष्मान खुराना जैसे इंडस्ट्री के टॉप हीरोज की हीरोइन बनने का मौका मिल रहा है। एक समय इंडस्ट्री से निराश होकर बोरिया -बिस्तर समेटने का मन बना चुकी वामिका अपने मुकाम को इंजॉय कर रही हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी हालिया फिल्म ''पति पत्नी और वो दो'' से। उनसे एक खास बातचीत।

सोशल मीडिया के पागलपन पर रोक लगाना जरूरी

सोशल मीडिया के दौर में वामिका गब्बी को कभी तारीफ मिलती है, तो कई बार वे ट्रोल भी जाती हैं। हाल ही में वे उस वक्त ट्रोल हो गईं थीं, जब वे साथी कलाकार राजपाल यादव को तवज्जो नहीं दे पाई थी। सोशल मीडिया की ट्रोलिंग को लेकर वामिका दो टूक कहती हैं, ''मैं समझती हूं कि सोशल मीडिया पर निश्चित रूप से रेगुलेशन होनी चाहिए, क्योंकि यहां पर कोई भी मुंह उठाकर आता है और कुछ भी बोलकर चला जाता है। सोशल मीडिया पर कुछ भी बोलने की कोई अकाउंटेबिलिटी नहीं होती। एक तो सिर्फ एक्टर्स के वेरिफाइड अकाउंट होते हैं। मुझे लगता है हर किसी का वेरिफाइड अकाउंट होना चाहिए। आज कल सोशल मीडिया एक सर्कस की तरह हो गया है, जिसका जो मन करता है, बोलता है। ये इसलिए हो रहा है कि आपको ये पता नहीं कि कोई आपको पकड़ सकता है। सोशल मीडिया के इस पागलपन पर रोक लगनी जरूरी है। वरना लोग तो पहले से ही पागल हो रहे हैं।''

बारहवी बांध का जलस्तर घटा, ठाणे और आसपास के शहरों में बढ़ा जल संकट का खतरा

ठाणे : ठाणे जिले की जीवनरेखा माने जाने वाले बारहवी बांध का जलस्तर पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष थोड़ा कम हो गया है। एमआईडीसी के अधीनस्थ आने वाले इस बांध में 25 मई के आंकड़ों के अनुसार, बांध में जलस्तर वर्तमान में 60.79 मीटर है और प्रत्यक्ष जल भंडारण 109.51 एमसीएम (32.31 प्रतिशत) शेष है। पिछले वर्ष इसी दिन बांध में जलस्तर 60.88 मीटर था और जल भंडारण 110.70 एमसीएम या 32.67 प्रतिशत था। इन आंकड़ों को देखते हुए, जल भंडारण में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष घोड़ी कमी आई है और बदलते मौसम के कारण आने वाले दिनों में जल संकट बढ़ने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है।

कई शहरों को की जाती है जलापूर्ति

बारहवी डैम से कल्याण डोंबिवली, उल्हासनगर मनपा, अंबरनाथ, अंबरनाथ, बदलापुर, डोंबिवली, तलोजा, नवी मुंबई तथा ठाणे एमआईडीसी को जलापूर्ति की जाती है।

मौसम में इस वर्ष आया बड़ा बदलाव

जलस्तर में कमी और गिरावट का कारण पिछले वर्ष की तुलना में मौसम में आया बड़ा बदलाव है। पिछले वर्ष यानी 2025 में, मानसून से पहले ही यानि बारिश 13 मई से ही शुरू हो गई थी। मई के मध्य में बारिश शुरू होने से बांध में पानी भरना शुरू हो गया था और जलस्तर बढ़ने में मदद मिली थी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पिछले वर्ष 13 मई के बाद आसमान में बादल छाए रहे और बारिश शुरू हो गई, जिससे बांध से पानी का वाष्पीकरण पूरी तरह रुक गया था। इसके विपरीत इस वर्ष मई का महीना समाप्त होने वाला है, लेकिन बारिश के कोई आसार नहीं है। तेज धूप बांध के जलाशय पर सीधी पड़ रही है, जिससे पानी तेजी से बाधित हो रहा है और इसी कारण जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है। इसको देखते हुए सोमवार से 10 प्रतिशत पानी कटौती शुरू हो गई है।

'अल नीनो' का दिखाई दे रहा असर

यह स्थिति वैश्विक जलवायु परिवर्तन और 'अल नीनों के प्रभाव के कारण भी है, जिसका असर इस वर्ष अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार इस वर्ष अल नीनी के सक्रिय होने से मानसून के आगमन और उसकी तीव्रता पर गहरा प्रभाव पड़ने की संभावना है।

पिछले वर्ष प्रकृति ने 13 मई को ही बारिश के रूप में राहत प्रदान की थी, लेकिन इस वर्ष मई का महीना समाप्त होने के बावजूद शुष्क और गर्म मौसम जारी है। बारिश के दिनों में कमी, सूर्य की तीव्रता में वृद्धि और अल नीनो के कारण मुख्य मानसून में देरी की आशंका को देखते हुए।

देश की सबसे धनी मनपा जारी करेगी ग्रीन बॉन्ड्स!

पहले चरण में 950 करोड़ रुपए जुटाएगी बीएमसी, सलाहकार नियुक्ति...

मुंबई : देश की सबसे धनी मुंबई महापालिका ने ग्रीन बॉन्ड्स के जरिए विकासकार्यों के लिए फंड जुटाने का लक्ष्य बनाया है। बीएमसी ने आर्थिक वर्ष 2026-27 के लिए अतरिक्त आय के विकल्प के तौर पर ग्रीन बॉन्ड की घोषणा की है। ग्रीन बॉन्ड्स की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड्स जारी करने हेतु मर्चेंट बैंकर या लीड मैनेजर के चयन के लिए निविदा जारी की गई है। ग्रीन बॉन्ड के लिए क्रेडिट रेटिंग करनी होती है, इसलिए एम. इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड को इसके लिए अपॉइंट किया गया है।

दिसंबर तक बॉन्ड की बिक्री

बीएमसी कमिश्नर अश्विनी भिड़े के अनुसार ग्रीन बॉन्ड बिक्री के लिए दिसंबर तक उपलब्ध होंगे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट पेश करते समय अमृत 2.0 मिशन के तहत ऐसे ग्रीन बॉन्ड की घोषणा की थी। एक बार में जारी किए जाने वाले 1,000 करोड़ रुपये के बॉन्ड के लिए 100 करोड़ रुपये के ग्रांट की भी घोषणा की गई थी। इस तरह इस ग्रीन बॉन्ड्स पर बीएमसी को लगभग 100 करोड़ का अनुदान भी केंद्र से मिल सकता है।

इन प्रोजेक्ट्स के लिए ग्रीन बॉन्ड

मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने मुंबई सीवरेज प्रोजेक्ट फेज 2 के तहत वर्ली, धारावी, वसोर्वा, भांडुप, घाटकोपर, बांद्रा, मलाड में मॉडर्न सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने का फैसला किया है।

200 मिलियन लीटर कैपेसिटी वाला डीसेलिनेशन प्रोजेक्ट, वॉटर टनल, टर्शियरी ट्रीटेड सीवेज ट्रांसपोर्ट करने के लिए वॉटर टनल, गरगई डैम प्रोजेक्ट जैसे कई प्रोजेक्ट हैं। इन एनवायरनमेंट-फ्रेंडली प्रोजेक्ट्स के लिए ग्रीन बॉन्ड के जरिए फंड जुटाया जा सकता है। इनकम के नए सोर्स न बनने की वजह से बीएमसी की इनकम पर असर पड़ा है,जबकि हजारों करोड़ के प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं।

खेलने के बहाने बुलाकर दो बच्चियों से ज्यादती;

अजुर्नी मोरगांव पुलिस की बडी कार्रवाई

गोंदिया : गोंदिया जिले के अजुर्नी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले बोंडगांवदेवी क्षेत्र में दो नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म होने की एक बेहद गंभीर और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। इस संवेदनशील मामले की जानकारी मिलते ही अजुर्नी मोरगांव पुलिस ने पूरी तत्परता दिखाते हुए त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस ने वारदात में शामिल १६ वर्षीय एक विधि नाबालिग लड़के को तत्काल अपनी हिरासत में ले लिया है। इस शर्मनाक घटना के बाद से स्थानीय परिसर के नागरिकों में भारी रोष, निराशा और असुरक्षा का माहौल व्याप्त हो गया है।

पुलिस विभाग से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, यह खौफनाक घटना शनिवार की सुबह करीब ११ बजे के आसपास घटित हुई। आरोपी लड़के ने अपने ही पड़ोस में रहने वाली दो मासूम बच्चियों को खेलने के बहाने बहला-फुसलाकर अपने घर के भीतर बुलाया था। पीड़ित बच्चियों में से एक की उम्र महज छह वर्ष नौ महीने दर्ज की गई है, जबकि दूसरी बच्ची की उम्र दस वर्ष आठ महीने बताई गई है। घर में कोई न होने का फायदा उठाते हुए आरोपी ने दोनों मासूमों के साथ इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया।

जान से मारने की धमकी

इस मामले की गंभीरता इसलिए भी बहुत ज्यादा बढ़ गई है क्योंकि आरोपी ने इस कुकृत्य को अंजाम देने के बाद दोनों बच्चियों को बुरी तरह डराया और धमकाया। आरोपी ने बच्चियों को सख्त चेतावनी दी कि यदि उन्होंने इस घटना के बारे में अपने माता-पिता या घर में किसी भी सदस्य को कुछ भी बताया, तो वह उन्हें जान से मार डालेगा। इस खौफनाक धमकी के कारण सहमी बच्चियों ने शुरूआत में किसी से कुछ नहीं कहा, लेकिन बाद में घटना उजागर होते ही पीड़ित परिवार ने तुरंत पुलिस से संपर्क किया।

घटना की भनक लगते ही अजुर्नी मोरगांव पुलिस की टीम ने बिना कोई वक्त गंवाए जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत तत्काल आपराधिक मामला दर्ज किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए संदेहास्पद नाबालिग लड़के को अपनी कस्टडी में ले लिया। हिरासत में लेने के बाद निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत आरोपी की विस्तृत चिकित्सकीय जांच करवाई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित संगीन धाराओं के साथ-साथ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

आल टाइम हाई हुई मुंबई की बिजली डिमांड, 4550 मेगावाट का आकड़ा हुआ पार...

मुंबई: गर्मी के कारण मुंबई में मंगलवार को बिजली की डिमांड ऑल टाइम हाई रही। दोपहर के समय बिजली की डिमांड रेकॉर्ड 4,558 मेगावाट तक दर्ज की गई। इससे पहले 11 मई को 4540 मेगावाट ऑल टाइम हाई रेकॉर्ड था। मुंबई शहर और उपनगर को मिलाकर करीब 48.5 लाख बिजली के उपभोक्ता हैं। इनमें भांडुप और मुलुंड शामिल नहीं है। मुंबई में फिलहाल अडाणी इलेक्ट्रिसिटी के पास सबसे ज्यादा 30 लाख उपभोक्ता हैं। इसके बाद बेस्ट विद्युत उपक्रम के 10.5 लाख और टाटा पावर के 8 लाख उपभोक्ता हैं।

मुंबई से घर आ रहे युवक की ट्रेन से गिरने से मौत!

मुंबई : मुंबई से नौकरी कर घर लौट रहे एक युवक की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। हादसा सोमवार की सुबह भटनी-वाराणसी रेल खंड पर रामपुर बछौर गांव के पास हुआ। युवक जेब में रखे आधार कार्ड के जरिये युवक की शिनाख्त हुई। परिवार के लोगों के आने के बाद शव को कोतवाली पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, बिहार प्रांत के पश्चिमी चंपारण के रहने वाले आलोक तिवारी मुंबई में एक निजी कंपनी में काम करता था।

रविवार की रात वह मुंबई से वाराणसी आने वाली एक ट्रेन से वाराणसी पहुंचा। वहां से कानपुर से गोरखपुर जाने वाली चौरी-चौरा एक्सप्रेस में सवार होकर भटनी स्टेशन आ रहा था। परिजनों के मुताबिक, मऊ स्टेशन पहुंचने के दौरान आलोक से मोबाइल पर बात हुई थी। लार रोड रेलवे स्टेशन पार कर रामपुर बछउर के बीच वह चलती ट्रेन से गिर गया। युवक के ट्रेन गिरने की जानकारी एक यात्री ने सलेमपुर रेवले स्टेशन पर स्टेशन अधीक्षक को दी। इसके बाद मौके पर जीआरपी और कोतवाली पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने आनन-फानन उसे सीएचसी पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। प्रभारी कोतवाल दीपक पटेल ने बताया कि ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हुई है। उसके परिवार के लोग भी आ गए हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव को उनके परिजनों का सौंप दिया जाएगा। उधर, पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे आलोक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com